अधिक जानकारी के लिए, दिए गए कोड को स्कैन करें या देखें
http://www.nizamuddinrenewal.org एंव लाइक करें
www.facebook.com/NizamuddinRenewal

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, निज़ामुद्दीन (पश्चिम), नई दिल्ली

निज़ामुद्दीन शहरी विकास नवीकरण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण । दक्षिण दिल्ली नगर निगम । केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
आगा ख़ान फाउंडेशन । आगा ख़ान ट्रस्ट फॉर कल्चर

आग़ा ख़ान डेवलेपमेंट नेटवर्क

रंग तरंग

अप्रैल 2015

पूजा जो 10 साल की एक लड़की थी और अपने परिवार के साथ बहुत खुश थी। एक दिन बहुत तेज़ बारिश आई। सब बहुत खुश हुए अरे वाह बारिश आ रही है। पूजा ने अपनी मम्मी से कहा मैं बारिश में नहाने जा रही हूँ। उसकी मम्मी ने कहा बेटा आराम से नहाना। पूजा बाहर आई तभी अचानक बहुत तेज़ तूफान आया। पूजा डर गई। अचानक तूफान ने पूजा को उड़ाकर न जाने कहाँ पहुँचा दिया। पूजा बहुत घबराई हुई सी थी। सब अलग–अलग सा था। तभी पूजा के पास एक सुंदर सी परी आई। परी ने कहा डरो मत यह बताओ तुम यहाँ कैसे आई। पूजा ने बताया "मैं तुफान के साथ यहाँ आ गई।" परी ने पूजा को बहुत अच्छे–अच्छे पकवान खिलाए।

फिर परी ने पूजा से कहा तुम्हारे मम्मी–पापा तुम्हें ढूँढ रहे होंगे। मैं तुम्हें उनके पास छोड़ कर आती हूँ। पूजा ने कहा ठीक है। परी पूजा को उसके मम्मी पापा के पास लेकर आई। पूजा के मम्मी–पापा ने परी का धन्यवाद किया और परी वापस अपने लोक चली गई।

कहानी
मसीहा (कक्षा 4A)

चित्रांकन
ज़ाहिद (कक्षा 5B)

मेरा नाम अरजीना है।
मैं दस साल की हूँ।
मेरे पापा का नाम रफिकुल है।
मुझे स्कूल जाना अच्छा अगता है।
मैं बड़ी होकर टीचर बनना चाहती हूँ।
मै चाहती हूँ मेरे पास मेरा अपना बड़ा घर हो,
उस घर में मेरे पापा, मेरी अम्मी, मेरी दो बहने,
मेरे दो भाई और मै रहूँ।

नाम
अरजीना (कक्षा 4A)

लुबना की एक ही चाहत थी कि काश वह आकाश में उड़ सके। एक दिन वह स्कूल से घर जा रही थी। चलते–चलते उसे एक जोड़ी जूते मिले। उसने उन जूतों को पहना तो वह उड़ने लगी। उसकी खुशी का ठिकाना नहीं था। उस दिन उसने आकाश के कई चक्कर काटे। कुछ देर बाद जब वह उड़ते–उड़ते थक गई तो घर की ओर उढ़ चली। जैसे ही वह घर पहुँची, मोहल्ले वाले देखकर चौंक गए। उसके मम्मी पापा ने पूछा कि तुम अचानक उड़ने कैसे लगी? तो उसने बताया कि जब वह स्कूल से घर आ रही थी तो रास्ते में एक पेड़ के नीचे यह जूते मिले जिन्हें पहनते ही वह उड़ने लगी। उसे ज़ोर की भूख लगी थी। खाना खाते–खाते उसे नींद आ रही थी। बिस्तर पर लेटते ही वह सो गई।

सुबह होते ही माँ ने उसे उठाया। वह जल्दी–जल्दी तैयार हुई। उढ़ने वाले जूते पहने और स्कूल की तरफ उड़ चली। उसे उढ़ता देख उसकी टीचर और दोस्तों को अच्छा नही लगा। उसके दोस्त उससे चिड़ने लगे और बात भी नही कर रहे थे। उसने दोस्तों को खुश करने के लिए जादुई जूते उन्हे दे दिए। सब जूतों पर झगड़ने लगे और इसी खीचम–तानी में जूते बीच में से फट गए। अब उनका जादू भी खत्म हो गया था।

कहानी
सोनिया, खूशी मिर्जा
(कक्षा 4A)

चित्रांकन
सोनिया (कक्षा 4A)

बोलता पेड़

बहुत समय पहले की बात है। एक गाँव था। उस गाँव का नाम राधवगढ़ था। उस गाँव में लोग–जाने से डरते थे। एक दिन सलमान नाम का एक आदमी उस गाँव में पहुँचा। गाँव में जाते ही बहुत अजीब सी घटनाएँ होने लगीं। उस गाँव में पेड़ बात करते थे। फूल चलते थे। सलमान ने पेड़ से पूछा यह सब क्या हो रहा है? तुम कैसे बोल सकते हो?

पेड़ ने बताया यहाँ हम सबको एक वरदान मिला है। जिस वजह से हम बात कर सकते हैं और फूल चल सकते हैं। पेड़ फिर बोला अगर तुम चाहो तो तुम्हें भी वरदान मिल सकता है। जिससें तुम जो ढूँढ रहे हो तुम्हें वो मिल जाएगा। सलमान को बड़ा अचरज हुआ उसने कहा तुम्हें कैसे पता मे कुछ ढूँढ रहा हूँ पेड़ ने कहा मुझे सब पता है। तुम यहाँ ख़ज़ाना ढूँढने आए हो। सलमान बोला हाँ।

पेड़ की मदद से सलमान ख़ज़ाना ढूँढ लेता है। पेड़ ने कहा ख़ज़ाना ले कर तुम बाहर नही जा सकते तुम्हें यह ख़ज़ाना लेकर यहीं रहना होगा। सलमान को गाँव पसन्द आया और वह वहीं रहने लगा।

कहानी
रोशनी (कक्षा 4B)

राष्ट्रपति भवन को देखा

मेरा नाम अहमद राजा है। मैं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, हज़रत निज़ामुद्दीन में पढ़ता हूँ। मैं और मेरे साथी अफ्फान और शीरीन राष्ट्रपति भवन गये। राष्ट्रपति भवन हमने पहली बार देखा। हमें बहुत अच्छा लगा।

राष्ट्रपति भवन में हम बच्चों के सामने रोज़मर्रा में होने वाली परेशानियों के बारे में बातचीत की गई। हम बच्चों को उन परेशानियों को दूर करने का हल बताना था।

वहाँ मौजूद सर ने हमें कहानी एक सुनाई। फिर पानी से भरा गिलास लिया और उसे एक जगह से उठाकर दुसरी जगह रखा। गिलास में से पानी की कुछ बुँदें नीचे गिर गईं। सर ने बताया कि पानी की एक–एक बूँद कीमती है। रोज़ाना कई लीटर पानी हम पानी बरबाद कर देते है। इस पानी को हम पौधो में भी डाल सकते थे।

हम सब बच्चों को कच्ची बस्तियों में लेकर गए। वहाँ मैने देखा कि एक डस्टबिन में ढेर सारे प्लास्टिक के गिलास भरे पड़े थे। पूरा डस्टबिन गिलासों से भरा हुआ था और काफी सारे गिलास ज़मीन पर बिखरे पड़े थे। इस पर मैंने आईडिया दिया कि क्यों न इन गिलासों के लिए एक तार बाँध दिया जाए जिसमें एक में एक गिलास को फँसा कर रख सकें। सर को मेरा आईडिया बहुत पसन्द आया।

मेरी साथी शीरीन ने बताया कि हम बच्चों को खाना खाने से पहले हाथ धोना याद नहीं रहता। अगर लंच–बाक्स के ऊपर यह लिख दिया जाए कि खाना खाने से पहले हाथ धोएँ तो सब ज़रूर धोयेंगे। इसी तरह लंच–बाक्स के अन्दर लिखा हुआ हो कि खाना खाने के बाद हाथ धोएँ तो बन्द करते वक्त बच्चों की निगाह पड़ेगी। इस तरह हम बच्चों को खाना खाने से पहले और खाना खाने के बाद हाथ धोने की आदत डाली जा सकती है।

नाम
अहमद राज़ा
(कक्षा 5B)

खेल प्रतियोगिता

हर साल हमारे स्कूल में खेल–प्रतियो. गिताएँ आयोजित की जाती हैं। जिसमें हम सभी बच्चों को भाग लेने का मौका मिलता है। इस प्रतियोगिता में हर बच्चे को कोई न कोई ईनाम ज़रूर मिलता है।

इस साल हमने निंबू दौड़, 100 मीटर की दौड़, बोरे वाली दौड़, म्यूज़ीकल चेयर और छोटे बच्चों के लिए मेंढ़क दौड़ और टॉफ़ी दौड़ की गई। जिसमें

नाम
अनवरी

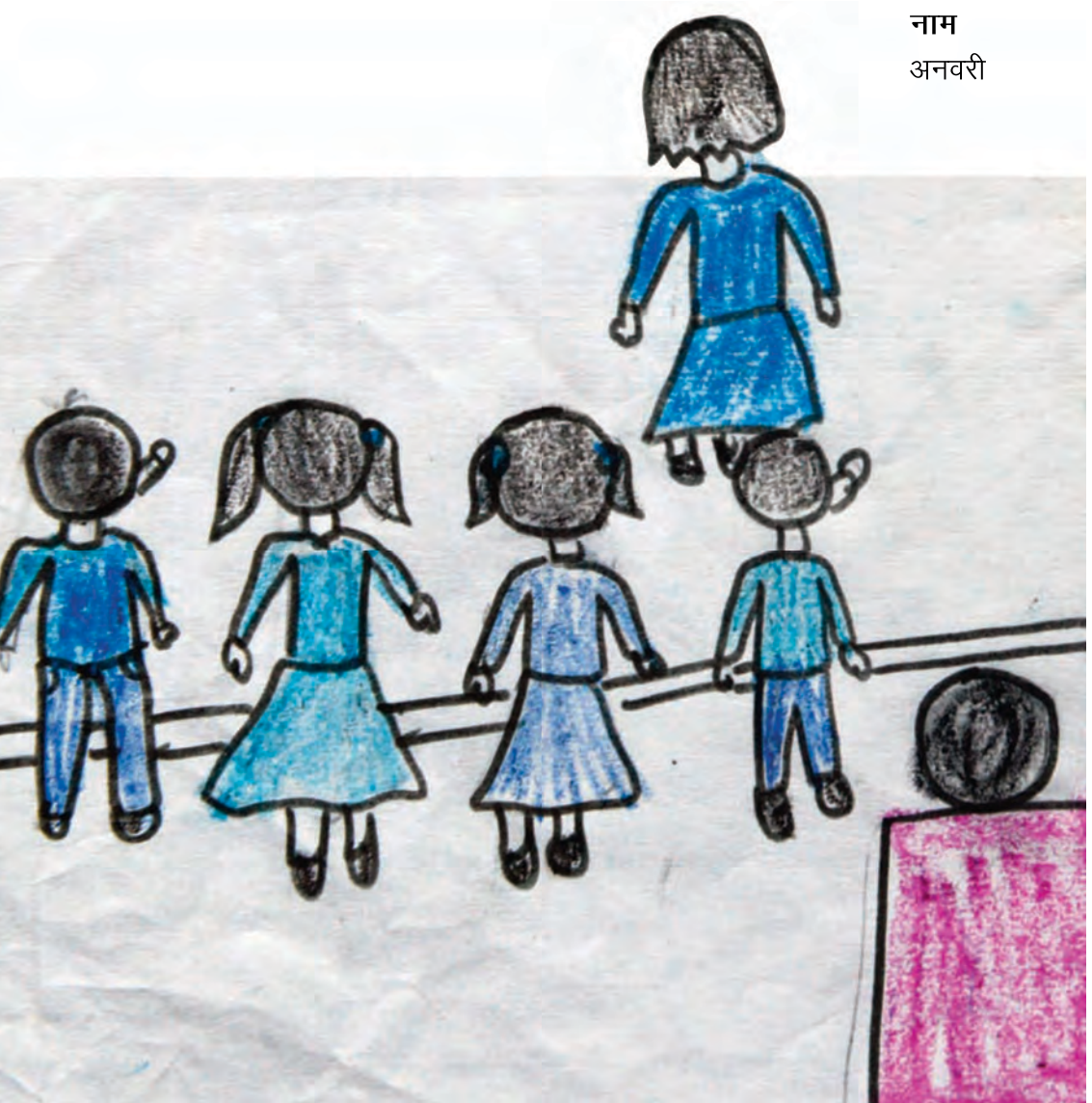

जंगल में पार्टी

एक जंगल से बहुत सारे जानवर रहते थे। शेर, चिड़िया, हाथी, घोड़ा, बंदर और तोता सभी जानवर मिल–जुल कर हँसी–खुशी के साथ रहते थे। एक बार सभी जानवरों ने सोचा क्यों न हम सब मिल कर एक पार्टी मनाएँ। चिड़िया ने कहा "हाँ हम सब पार्टी करेंगे।" शेर बोला सभी जानवर अपने–अपने घर से कोई न कोई चीज़ लायेंगे। इस तरह हमारे पास बहुत सारी चीज़ें हो जाएंगी।

सुबह–सुबह सभी जानवर मिलकर पार्टी की तैयारी करने लगे। अचानक से चिड़िया ने किसी आदमी को जंगल की ओर आते देखा। चिड़िया ने उसी वक्त आकर सबको बताया। शेर वहाँ गया और देखा कि वह एक शिकारी था। शेर भागता–भागता आया और सबको बताया शिकारी है। कोई भी उस तरफ न जाना वह जाल बिछाने वाला है। सबने उक साथ कहा "हम उस शिकारी को भगा देंगें।" सभी जानवरों ने योजना के मुताबिक शिकारी पर एक साथ हमला बोल दिया। इतने सारे जानवरों को एक साथ देखकर शिकारी के हाथ–पाँव फूल गए। और वह सर पर पैर रख कर वहाँ से भाग खड़ा हुआ। उसके बाद सारे जानवरों ने मिलकर हँसी–खुशी पार्टी मनाई।

कहानी
यूनुस
(कक्षा 5C)

चित्रांकन
ख़तीजा
(कक्षा 4C)

राजा और शेर

5

एक राजा था। उस राजा का बहुत बड़ा महल था। काफी नौकर–चाकर थे। उसका राज्य बहुत ही खुशहाल था। एक दिन अचानक उसके राज्य में एक नरभक्षी शेर घुस आया। शेर ने पूरे राज्य में उत्पाद मचा दिया था। वह हर रोज एक इसान को खा जाता था। जिस दिन शेर को इंसान नही मिलता तो वह पुरे गाँव में हल्ला मचा देता और सब कुछ बरबाद कर देता। राजा इस सब बात से बड़ा परेशान था। यह सब होते–होते कई साल बीत गए पर कोई हल नही मिला। राजा ने राज्य के हर गाँव में ऐलान करवाया जो भी उस शेर को पकड़ेगा उसे मनचाहा इनाम मिलेगा। एक दिन राजा के पास एक पहलवान आया। उसने कहा महाराज मै उस शेर को पकडूँगा। राजा ने कहा ठीक है तुम उस शेर को पकड़कर लाओ। पहलवान जंगल में गया और बड़ी चतुराई से उसने वहाँ एक बड़ा सा गड्ढा खोदा। उसके बाद उसने एक पेड़ की टहनियाँ काटी और गड्ढे को उससे ढक दिया। शेर अपनी मस्त चाल से चलता हुआ जब वहाँ से गुज़रा तो उसका पैर फिसल गया और वह धड़ाम से उस गड्ढे में जा गिरा। राजा पहलवान की इस चतुराई बहुत खुश हुआ और उसे ढेर सारा ईनाम भी दिया।

कहानी
मोहम्मद
(कक्षा 3A)

चित्रांकन
उसरा
(कक्षा 5B)

स्कूल में मनाया गणतन्त्र दिवस

10

हमारे स्कूल में हर साल की तरह इस साल भी गणतन्त्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हम बच्चों ने बहुत से देशभक्ति गीत गाए। नर्सरी के बच्चों ने एक गीत पर अभिनय किया और पाँचवी कक्षा के बच्चों ने नाटक किया। हमारी सारी शिक्षिकाओं ने भी एक गाना गया। हमे बहुत मज़ा आया।

कार्यक्रम में बस्ती के मदरसों में पढ़ रहे बच्चों ने भी हिस्सा लिया। मदरसे के बच्चों ने एक नात सुनाई और 'सारे जहाँ से अच्छा' गीत भी सुनाया। मदरसे से आए मौलवी साहब ने हमें 'यौमें आज़ादी' की अहमियत के बारे में बताया।

कार्यक्रम शुरू हाने से पहले हम बच्चों ने परेड की और सलामी दी। उसके बाद प्रिंसिपल सर ने झंण्ड़ा फहराया। झण्डा–रोहण के बाद सभी ने एक साथ मिलकर राष्ट्रगीत गाया। और आखिर में आते वक्त हमें लड्डू भी मिले।

व्याख्या
अबु बकर
(कक्षा 5C)

चित्रांकन
चाँदनी
(कक्षा 5B)

जंगल का राजा

एक दिन की बात है। लोमड़ी जंगल के राजा शेरसिंह के पास जा रही थी। उसे रास्ते में एक हिरन दिखाई दिया। लोमड़ी ने सोचा मैं इस हिरन के बारे में राजा को बता दूँ तो वह बहुत खुश होगा और मुझे ईनाम देगा।

लोमड़ी शेरसिंह के पास पहुँची और कहा कि महाराज मुझे रास्ते मे एक हिरन दिखाई दिया वह हिरन बहुत सुंदर है। आप अगर उसका शिकार करें तो मज़ा आ जाएगा।

शेर ने सोचा अगर में हिरन का शिकार–करुँ तो रात को भोजन की परेशानी खत्म हो जाएगी।

शेर लोमड़ी को साथ लेकर हिरन की तलाश में निकल जाता है। उसने पूरा जंगल छान मारा लेकिन हिरन कहीं भी नज़र नहीं आया। शेर को लोमड़ी पर बड़ा गुस्सा आया। लोमड़ी वहाँ से डर कर भाग गई।

शेर भी थक कर चूर हो चुका था। थक–हार कर वह वापस अपनी गुफा में चला गया और दूसरे शिकार का इंतजार करने लगा।

कहानी
नमरा
(कक्षा 5B)

चित्रांकन
ख़तीजा
(कक्षा 4C)

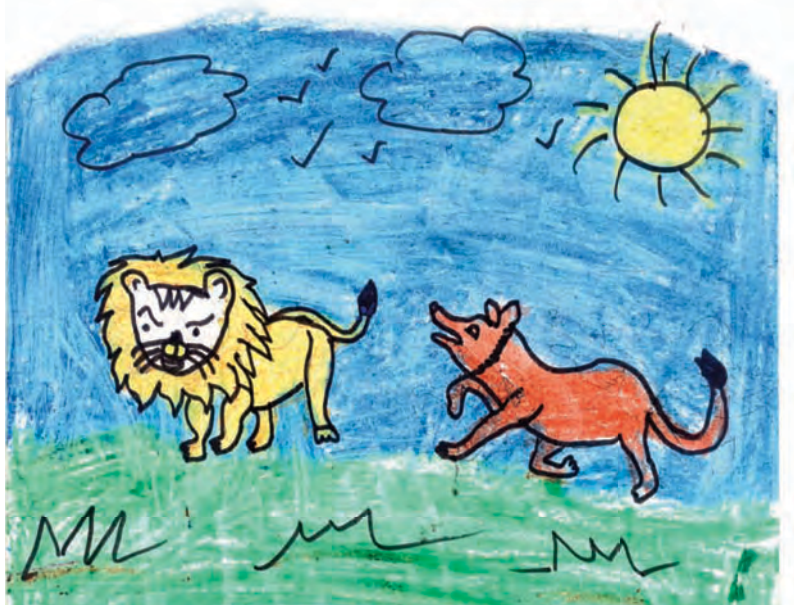

मेरी मम्मी

मेरी मम्मी कितनी प्यारी,
दुनिया मुझे लगती न्यारी।

दही जलेबी और मलाई,
लाती मम्मी यह सब मिठाई।

रसोई में रखती वह खाना,
खिलाती हमको है वह खाना।

मम्मी करती है हमसे प्यार,
हम सब करते है मम्मी से प्यार।

मेरी मम्मी कितनी प्यारी,
दुनिया मुझे लगती न्यारी।

कविता
अनवरी
कुलसूम
(कक्षा 4A)

चित्रांकन
कुलसूम
अनवरी
रेहाना
(कक्षा 4A & C)

सपनों में खोई थी
सोचकर मैं मुस्कुराई थी।

देखकर तरह–तरह के उपहार
परियों ने कहा ले लो ये उपहार।

उपहार ले कर हमें खुशी हुई
परियाँ भी हमें देखकर खुश हुईं।

आसमान में बहुत सारे तारे थे
जो हमें देखकर टिम–टिमा रहे थे।

सपनों में खोई थी
सोचकर मैं मुस्कुराई थी।

कविता
अरजीना
सोनिया
खुशी मिर्ज़ा
(कक्षा 4A)

चित्रांकन
फ़ैज़ी
(कक्षा 5C)

बहुत समय पहले की बात है। एक छोटे से गाँव में एक राजू नाम का बच्चा रहता था। राजू गाँव में अकेला था। माँ–बाप, भाई, बहन कोई भी नहीं था। गाँव में उसका कोई दोस्त भी नहीं था जिसके साथ वो खेल सके। गाँव के सभी बच्चें उसे नफरत करते थे।

एक दिन राजू पेड़ के नीचे बैठ कर सोच रहा था कि "काश! मेरा भी कोई दोस्त होता।" तभी वहाँ से एक तोता गुज़रा और वह राजू के पास आया और बोला तुम इतने उदास क्यों हो – राजू ने कहा मेरा कोई दोस्त नही है। तोता बोला तुम मेरे दोस्त बनोगें। राजू ने खुश होकर कहा – हाँ मै तुम्हारा दोस्त बनूंगा। तोता राजू से रोज़ मिलता और दोनों के लिए खाना लाता। दोनो साथ मे खाना खाते।

एक दिन तोते के आने में देर हो गई। राजू परेशान हो गया आखिर तोता आज आया क्यों नहीं। राजू तोते को ढूँढने लगा ढूँढते–ढूँढते शाम हो गई। अचानक राजू को तोते की आवाज़ सुनाई दी। "बचाओ–बचाओ! मुझे बचाओ!" राजू आवाज की तरफ भागा तो देखा कि तोता पिंजरे में बंद था। राजू ने पिंजरे का दरवाज़ा खोल दिया और तोते को बाहर निकाल लिया। तोता बहुत खुश हुआ। अब राजू और तोता साथ रहने लगे।

चित्रांकन
अंजली
रानी
(कक्षा 4B)

कहानी
मुस्कान
(कक्षा 3A)